



Hargharpanditji

॥ शिवलिंग अभिषेक के मूल नियम ॥  
ॐ नमः शिवाय

---

# FULL DISCLAIMER

---

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR"

# ॥ शिवलिंग अभिषेक के मूल नियम ॥

## 1. स्नान और शुद्धता

सुबह स्नान करके साफ वस्त्र पहनें।  
मन, वचन और शरीर की पवित्रता रखें।  
पूजा स्थान को स्वच्छ रखें।

## 2. पूजा का सही समय

प्रातःकाल ब्रह्म मुहूर्त या सूर्योदय के बाद पूजा उत्तम मानी जाती है।  
सोमवार, प्रदोष और महाशिवरात्रि विशेष फलदायी होते हैं।

## 3. शिवलिंग पर क्या चढ़ाएं

शुद्ध जल  
गंगाजल  
कच्चा दूध  
दही  
शहद  
घी  
शक्कर  
बेलपत्र  
धतूरा और आक के फूल  
चंदन और भस्म

## 4. बेलपत्र चढ़ाने के नियम

बेलपत्र तीन पत्तियों वाला होना चाहिए।  
कटे-फटे या सूखे बेलपत्र न चढ़ाएं।  
बेलपत्र की चिकनी सतह शिवलिंग की ओर रखें।

## 5. अभिषेक कैसे करें

पहले जल से शिवलिंग स्नान कराएं।  
फिर दूध, दही, शहद आदि से अभिषेक करें।  
अंत में पुनः शुद्ध जल या गंगाजल से स्नान कराएं।  
“ॐ नमः शिवाय” मंत्र का जाप करते रहें।

## 6. किन चीजों से बचें

शिवलिंग पर हल्दी, सिंदूर और केतकी का फूल नहीं चढ़ाना चाहिए।  
टूटे हुए चावल या बासी फूल न चढ़ाएं।  
तांबे के पात्र में दूध न रखें।

## 7. अभिषेक के समय मंत्र

“ॐ नमः शिवाय”  
महामृत्युंजय मंत्र  
शिव पंचाक्षरी मंत्र

## 8. पूजा के बाद

शिव आरती करें।  
प्रसाद बांटें।  
मन में शांति और भक्ति रखें।

शिवलिंग अभिषेक का महत्व  
शिवलिंग अभिषेक करने से मन की शुद्धि, शांति, सकारात्मक ऊर्जा और भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। मान्यता है कि नियमित अभिषेक से दुख, भय और नकारात्मकता दूर होती है।